

BENGALI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORTS, PRÉCIS WRITING,
COMPOSITION AND TRANSLATION

PAPER-I

Time Allowed — 3 Hours

Full Marks — 200

If the questions attempted are in excess of the prescribed number, only the questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and the remaining ones ignored.

The figures in the margin indicate marks for each question.

Do not write your name, address etc. anywhere inside the answer book.

Write X, Y, Z if necessary.

১। নিম্নলিখিত যে কোনো একটি বিষয় সম্পর্কে আপনার অভিমত কোনো বাংলা দৈনিক পত্রিকার সম্পাদকের কাছে অনধিক ১৫০ শব্দের মধ্যে পত্রাকারে বিবৃত করুন : (নাম-ঠিকানার পরিবর্তে X, Y, Z লিখুন।) ৪০

(ক) বিশ্ব জলদিবস : জলসমস্যা ও সমাধান

(খ) পর্যটন শিল্পে অতিমারীর প্রভাব,

(গ) সাম্প্রতিক বিজ্ঞাপনের ভাষা

২। নিম্নলিখিত বিষয় সম্পর্কে ২০০ শব্দের মধ্যে একটি সম্পাদকীয় প্রতিবেদন লিখুন : ৪০

‘যুদ্ধে কেবল প্রাণহানিই ঘটে না, পরিবেশও বিপন্ন হয়।’

৩। নিম্নলিখিত অংশের সারমর্ম (Précis) লিখুন : (এর জন্য দেওয়া বিশেষ Précis-sheet ব্যবহার করুন।) ৪০

সহজভাবে আপনার জীবনে প্রাত্যহিক কাজ করে যাওয়ার চেয়ে সুন্দর এবং মহৎ আর কিছু হতে পারে না। ঘাঠের তৃণ থেকে আকাশের তারা পর্যন্ত তাই করছে। কেউ গায়ের জোরে আপনার সীমাকে অতিক্রম করবার চেষ্টা করছে না বলেই প্রকৃতির মধ্যে এমন গভীর শান্তি এবং অপার সৌন্দর্য বিরাজ করছে। অথচ প্রত্যেকে যেটুকু করছে সেটুকু সামান্য নয়—যাস আপনার চূড়ান্ত শক্তি প্রয়োগ করে তবে যাসরূপে টিকে থাকতে পারে, শিকড়ের শেষ প্রান্তটুকু পর্যন্ত দিয়ে তাকে রসাকর্ষণ করতে হয়। সে যে নিজের শক্তি লঙ্ঘন করে বটগাছ হবার নিষ্ফল চেষ্টা করছে না, এইজন্যই পৃথিবী এমন সুন্দর শ্যামল হয়ে রয়েছে। বাস্তবিক, বড়ো বড়ো উদ্যোগ এবং লক্ষা-চওড়া কথার দ্বারা নয়, কিন্তু প্রাত্যহিক ছোটো ছোটো কর্তব্য-সমাধা দ্বারাই মানুষের সমাজে যথাসম্ভব শোভা এবং শান্তি আছে। বসে বসে হাঁসফাঁস করা, কল্পনা করা, কোনো অবস্থাকেই আপনার যোগ্য মনে না করা, ইতিমধ্যে সুমুখ দিয়ে সময়কে চলে যেতে দেওয়া—এর চেয়ে হয় কিছু হতে পারে না। যখন মনে মনে প্রতিজ্ঞা করা যায়, নিজের সাধ্যায়ত্ত সমস্ত কর্তব্য সত্যের সঙ্গে, বলের সঙ্গে, হৃদয়ের সঙ্গে, সুখ দুঃখের ভিতর দিয়ে পালন করে যাব এবং যখন বিশ্বাস হয় তা করতে পারব, তখন সমস্ত জীবন আনন্দে পরিপূর্ণ হয়ে ওঠে, ছোটোখাটো দুঃখবেদনা একেবারে দূর হয়ে যায়।

৪। অনুচ্ছেদটি পাঠ করে তার ভিত্তিতে নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির উত্তর দিন : ১০×৪=৪০

বেলা দশটার মধ্যেই স্টিমার খুলনা ছেড়ে রওনা হল। এখন চলেছি মানুষের ঘরকন্নার সাথে ছবির মতো ছোটো নদী দিয়ে। দুই পাড়ে ধানক্ষেত। ধান কাটা শেষ হয়েছে। বাদামি রঙের ফাঁকা মাঠ, গোরু চরছে। মাঝে মাঝে চৌকো সরষেক্ষেত। একটু পর-পরই লোকালয়; খোড়ো ঘর, চেউ তোলা টিনের ঘর—আম, নারকেল, কলাগাছে ঘেরা। স্নানের ঘাটে লোকের ভিড়; পাড়ের উপর ছাগলছানা লাফাচ্ছে। কোথাও নদীর ধারে হাটের জায়গা; ছোটো ছোটো টিনের চালা, গোটাকয়েক টিনের বেড়ার ঘর। পাড়ের উপর দিয়ে লোক চলাচলের পথ; নানা বেশের লোক চলেছে—কারও মাথায় ছাতি, কারও কাঁধে মোটা।

আমাদের সারেং রহমত আলির নৌকা চাপা দেবার ভয় অত্যন্ত বেশি। বোধহয় কোনোদিন ও কাজ করে বিপদে পড়েছিল। কিন্তু খোড়ার পা-ই খানায় পড়ে। বেলা যখন দুটো, আর স্টিমার এসেছে কালিয়া গ্রামের কাছাকাছি, তখন স্টিমারের বাদিকের ফ্ল্যাটের সঙ্গে একখানা বড়ো পাট-বোঝাই নৌকার একটা মৃদু-রকম ঠোকাঠুকি হল। ফলে নৌকাখানি

हल किङ्किङ्क जखम, तबे बेशि किङ्कु नय। एरकम घटना घटले सारेङ्के निकटवर्ती पुलिश-थानाय रिपोर्ट करते हय। सिटमारेर लोकजन्देर मध्ये अनेक जेलार लोक छिल—चाटगा, नोयाखलि, कुन्डिना, टाका, मयमनसिङ्। देखलुम सकले एकमत ये, ए अखरलेर लोक बड्डो सहज नय, तिलके ताल करे तोलार मतो कन्नार सोर नाकि एदेर प्रचुर आछे। सारेङ्केर इच्छा, तार रिपोर्टो इङ्गेरजिते लेखा हय। सिटमारे चलनसई इङ्गेरजि लेखकेर अभाव, सुतराङ् घटनार रिपोर्टो लिखे दिते हल। कालिया स्टेशने सिटमार थामिये स्टेशनमास्टरबाबुके सेई रिपोर्ट देओया हल थानाय पाठिये देवार जन्य। तार मुखे सुनलुम, एखाने इतिमथोई रटे गियेछे ये, सिटमार एकखाना पाँच-श-मनि बोखाई नौका चापा दिये एकेबारे डुबिये दियेछे।

- (क) 'एखन चलेछि मानुषेर घरकम्मर साथी छबिर मतो छोटे नदी दिये।'— एई यात्रापथे लेखकेर चोथे ये छबि धरा पडेछिल ता आपनार निजेर भाषाय लिखुन।
- (ख) 'एरकम घटना घटले सारेङ्के निकटवर्ती पुलिश-थानाय रिपोर्ट पाठाते हय।'— 'एरकम घटना'-टि की? एई घटनार वर्णना दिन।
- (ग) 'घटनार रिपोर्टो' काके केन लिखे दिते हयेछिल— लिखुन।
- (घ) 'खौडार पा-ई खानाय पडे' एवङ् 'तिलके ताल करे तोला'— एई वाक्याङ्श दुटिर अर्थ एई अनुच्छेदेर मध्ये कीभावे सत्य हये उठेछिल,— निजेर भाषाय लिखुन।

५। निम्नलिखित अनुच्छेदति बाङ्गलाय अनुवाद करुन :

80

Three days after the incident Col. - Gracy returned and gave the following account of the tragic disaster. "It was Sunday night. We were getting ready to go to sleep in our own cabins when the ship received a shock and I was thrown off the bed. I heard the cries of agony of the passengers of the ship. I looked at my wristwatch—it was just ten. In the midst of wailing on all sides I came to know that the ship had struck against an iceberg and had been seriously damaged. Death was inevitable."

HINDI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORTS, PRÉCIS WRITING,
COMPOSITION AND TRANSLATION

- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी हिंदी समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए (अधिकतम 150 शब्दों में) (Write a letter within 150 words): 40
(नाम पता के स्थान पर XYZ)
(क) मूल्य-वृद्धि की समस्या
(ख) जल-संरक्षण
(ग) भारत में धर्मनिरपेक्षता
- निम्नलिखित विषय पर 200 शब्दों में एक संपादकीय प्रतिवेदन लिखिए (Write a report within 200 words): 40
साइबर अपराध और सोशल मीडिया की भूमिका।
- निम्नलिखित गद्यांश का सारांश लिखिए (Write a précis of the following passage in Hindi and use special sheet provided for the purpose): 40
समृद्धता की वृद्धि के साथ-साथ ज्यों-ज्यों मनुष्य के व्यापार बहुरूपी और जटिल होते गए त्यों-त्यों उनके मूल रूप बहुत कुछ आच्छन्न होते गए। भावों के आदिम और सीधे लक्ष्यों के अतिरिक्त और-और लक्ष्यों की स्थापना होती गई, बासनाजन्य मूल व्यापारों के सिवा बुद्धि-द्वारा निश्चित व्यापारों का विधान बढ़ता गया। इस प्रकार बहुत से ऐसे व्यापारों से मनुष्य घिरता गया जिनके साथ उसके भावों का सीधा लगाव नहीं। जैसे आदि में भय का लक्ष्य अपने शरीर और अपनी सन्तति ही की रक्षा तक था; पर पीछे गाय, बैल, अन्न आदि की रक्षा आवश्यक हुई, यहाँ तक कि होते-होते धन, मान, अधिकार, प्रभुत्व इत्यादि अनेक